RAJYA SABHA

Wednesday, the 26th November, 1997 5 Agrahayana, 1919 (Saka)

The House met at eleven of the clock

Mr. Chairman *in the Chair.*

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा (दिल्ली): सर, हाउस चलाइए...(**व्यवधान**) हाउस चलाइए...(**व्यवधान**) यह फैसला लोक सभा में होगा, राज्यसभा की कार्यवाही क्यों बंद की जा रही है...(**व्यवधान**)

श्री एस. एस. अहलुवालिया (बिहार): सभापति महोदय, जैन कमीशन की रिपोर्ट पर कार्यवाही कीजिए...(**व्यवधान**) उन लोगों के खिलाफ कार्यवाही हो जिनके षड़यंत्र के कारण राजीव गांधी की हत्या हुई...(**व्यवधान**) उनके खिलाफ कार्यवाही होनी चाहिए...(**व्यवधान**)

MR. CHAIRMAN: Questions.

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA: Let the Government come out and tell us what it is going to do ..... *(Interruptions)*

MR. CHAIRMAN: Question No. 101, Shri Ram Jethmalani. *(Interruptions)*

Question No. 102, Shri Jagir Singh Dard.

.... *(Interruptions)*

DR. JICHKAR..... *(Interruptions)*

Question No. 103, Shri Nilotpal Basu. *(Interruptions)*

श्री एस.एस. अहलुवालिया: सभापति महोदय, पहले यह फैसला लिया जाय कि जैन कमीशन की रिपोर्ट में जिनके नाम उजागर हुए हैं, जिन्होंने राजीव गांधी की हत्या का षड़यंत्र किया, उनके खिलाफ कोई कार्यवाही हो उसके बाद इस सदन की कार्यवाही आगे चले...(**व्यवधान**)

WRITTEN ANSWERS TO STARRED QUESTIONS

रक्षा अनुसंधान

*101. **श्री राम जेठमलानी**: क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का ध्यान दिनांक 7 नवंबर, 1997 के दैनिक "दि पायनियर" में "पावर्स आउट टू थ्वॉट रिसर्च: कलाम" शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है;

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि कुछ तत्व रक्षा अनुसंधान और विकास की प्रगति में बाधा डालने के प्रयास कर रहे हैं:

(ग) यदि हां, तो इस संबंध में सरकार की प्रतिक्रिया क्या है;

(घ) क्या सरकार उन तत्वों को समाज से अलग थलग करने के लिये उन्हें सार्वजनिक करेगी; और

(ड़) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं और उन्हें सार्वजनिक करने से क्या-नुकसान होने की संभावना है?

रक्षा मंत्री (श्री मुलायम सिंह यादव): (क) जी, हां। (ख) औद्योगिक रुप से उन्नत कुछ देशों ने अपने राष्ट्रीय कानून बनाए हैं और इस प्रकार की संधियों में शामिल हुए हैं जो विकासशील देशों के स्वदेशी रक्षा अनुसंधान तथा विकास कार्यक्रमों के लिए सामग्री, संघटकों, उप-प्रणालियों तथा प्रौद्योगिकियों जैसे महत्वपूर्ण निवेशों पर मनाही या उन पर प्रतिबंध लगाने की ओर निदेशित हैं। इन प्रणालियों में प्रक्षेपास्त प्रौद्योगिकी नियंत्रण (एम टी सी आर) तथा प्रोद्योगिकियों के दोहरे प्रयोग पर प्रतिबंध लगाने के लिए वासनार व्यवस्था शामिल है। यह कदम इन देशों के वाणिज्यिक हितों के भी अनुरुप है।

(ग) से (ङ) सामान्यतः विकसित देशों ने प्रौद्योगिकी की मनाही करने वाली प्रणाली बना ली है सरकार इन मनाहियों को विभिन्न प्रतिबन्धित सामग्री, संघटकों तथा उप प्रणालियों का देश में विकास कर के लाभकारी मौकों में तब्दील करने का हर संभव प्रयत्न कर रही है। 10 वर्षीय आत्मनिर्भरता मिशन के अंतर्गत 17 अत्यंत महत्यपूर्ण प्रौद्योगिकियों का पता लगाया गया है। जिनमें से कुछ के लिए वित्त-पूर्ति पहले ही की जा चुकी है। अत्यंत महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी संबंधी पहल के अंतर्गत 75 प्रकार के महत्यपूर्ण संघटकों तथा कई प्रकार की सामग्री का विकास किया गया है।

Irrigation Potential of Melghat Region

102. SHRI JAGIR SINGH DARD:

DR. SRIKANT RAMCHANDRA JICHKAR: Will the Minister of WATER RESOURCES be pleased to state: (a) total stimates of irrigation potential of the Dharni and Chikhaldara Taluka of the Melghat region of the Amravati district of Maharashtra;